Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

06 मई 2026

वर्ष - 04, अंक - 01 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

देश में भगवा लहर, पांच राज्यों में प्रचंड जीत बंगाल में रचा इतिहास !

मोदी और भाजपा की ऐतिहासिक जीत, जनता ने विकास, सुशासन और स्थिरता पर जताया भरोसा

मोदी की गारंटी, जनता का विश्वास – भाजपा की ऐतिहासिक जीत!

नई दिल्ली । पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर कहा- बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। पीएम ने 47 मिनट के भाषण में पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में सरकार बनने पर कहा- गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है तो जो खुशी होती है वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं।

गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा – पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती हैं। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार है। 2013 में जब भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में काम दिया और काशी में जब फॉर्म भरने गया तो मेरे दिल से निकला कि न मुझे किसी ने भेजा है, ना मैं यहां आया हूं। मुझे तो मां गंगा बुलाया है

पश्चिम बंगाल

कुल सीटें: 294

टीएमसी	160
भाजपा	114
कांग्रेस	09
अन्य	11

बहुमत: टीएमसी

असम

कुल सीटें: 126

भाजपा	75
कांग्रेस	31
एआईयूडीएफ	07
अन्य	13

बहुमत: भाजपा

तमिलनाडु

कुल सीटें: 234

डीएमके	133
एआईएडीएमके	66
भाजपा	20
अन्य	15

बहुमत: डीएमके

केरल

कुल सीटें: 140

एलडीएफ	85
यूडीएफ	47
भाजपा	05
अन्य	03

बहुमत: एलडीएफ

पुडुचेरी

कुल सीटें: 30

एनआर कांग्रेस	16
भाजपा	06
एआईएडीएमके	04
अन्य	04

बहुमत: एनआर कांग्रेस

5 राज्यों का कुल चित्र

दल	सीटें	जीत
एनडीए		305
यूपीए		193
लेफ्ट		85
अन्य क्षेत्रीय दल		31
अन्य		16
कुल		630

- चुनाव आयोग के अनुसार, सभी 5 राज्यों में चुनाव शांतिपूर्ण दंग से संपन्न हुए और मतगणना प्रक्रिया पारदर्शी रही।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाटी 'झाल मुड़ी' : बंगाल चुनाव में मिली बढ़त पर मनाया जश्न, जमकर की आतिशबाजी

नीमच । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन से उत्साहित नीमच के कार्यकर्ताओं ने सोमवार शाम को भारत माता चौराहा के समीप अनोखे अंदाज में जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'झाल मुड़ी' का वितरण किया और जमकर आतिशबाजी की।

चौराहे पर एकत्र हुए भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। आमतौर पर जीत की खुशी में मिठाई बांटी जाती है, लेकिन इस बार 'झाल मुड़ी' का चुनाव एक विशेष संदेश देने के लिए किया गया।

नेताओं ने बताया कि यह इस बात का प्रतीक है कि भाजपा की सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े उस व्यक्ति के साथ है, जो 5-10 रुपये का नाश्ता कर अपना जीवन यापन करता है। नगर पालिका अध्यक्ष स्वाती चोपड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभाव पूरे देश पर है। उन्होंने बताया कि बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने मात्र 10 रुपये की 'झाल मुड़ी' खाकर वहां की जनता से सीधा संवाद किया था, जिसने एक नया विमर्श स्थापित किया। कार्यकर्ताओं का मानना है कि यह सादगी और जनता से जुड़ाव ही भाजपा की ताकत है। उन्होंने उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बंगाल में ममता दीदी के 'भय और आतंक' का शासन अब समाप्त होने की ओर है। भाजपा नेताओं के अनुसार, '4 मई, दीदी गई' का नारा अब हकीकत में बदलता दिख रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिस तरह गुजरात, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं, अब बंगाल भी उसी प्रगति की राह पर अग्रसर होगा। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नेताओं ने बंगाल में हिंसा का शिकार हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को भी याद किया। उन्होंने कहा कि यह जीत उन शहीद कार्यकर्ताओं के संघर्ष का परिणाम है, जिन्होंने बंगाल में लोकतंत्र को बचाने के लिए अपनी जान दे दी। नेताओं ने उनके परिवारों को नमन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पार्टी समर्थक मौजूद रहे, जिन्होंने नारेबाजी कर अपनी खुशी जाहिर की

इस्तीफा नहीं दूंगी, हम हारे नहीं, हराया गया : चुनाव आयोग विलेन, भाजपा से मिलकर 100 सीटें लूटीं - ममता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- मैं CM पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाऊंगी।

ममता ने आगे कहा- चुनाव आयोग असली विलेन है। उसने भाजपा के साथ मिलकर 100 सीटें लूटीं। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, मैं आजाद पंछी हूं। कहीं से भी चुनाव लड़ सकती हूं, सड़कों पर रहूंगी।

ममता ने आरोप लगाया- भाजपा ने काउंटिंग सेंटरों पर कब्जा कर लिया था। मेरे साथ बदसलूकी की। उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं के साथ अत्याचार किया। पार्टी और इंडिया गठबंधन के नेता मेरे साथ हैं। हम फिर से उभरेंगे और शेर की तरह लड़ेंगे।

पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीत ली हैं। पार्टी 9 मई को राज्य में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। TMC सिर्फ 80 सीटें जीत सकी। 15 साल बाद ममता के हाथ से सत्ता चली गई है। मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं। मेरे इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए राजभवन नहीं जाऊंगी। वे ऑफिशियली हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक रूप से हम चुनाव जीते हैं।

चुनाव से दो दिन पहले हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह-जगह छापे मारे गए। IPS-IAS अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। मैंने राजीव गांधी, मनमोहन सिंह, वाजपेयी सहित कई सरकारें देखीं, लेकिन ऐसा अत्याचार कभी नहीं देखा। अत्याचार की कोई सीमा नहीं रही। यहां लोगों को प्रताड़ित किया गया।

पहले राउंड की काउंटिंग के बाद ही वे कहने लगे कि भाजपा 195-200 सीटें जीत रही है। अंतिम नतीजे का इंतजार नहीं किया। BJP वालों ने पोलिंग स्टेशन के अंदर घुसकर लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को पीटना शुरू कर दिया।

हम चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे। क्या करेंगे, यह अभी नहीं बताएंगे। दूसरी बात, हमने फैसला किया है कि 5 सांसदों समेत 10 लोगों की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई जाएगी।

एमपी में बनेगा व्यापारी कल्याण बोर्ड, सीएम होंगे अध्यक्ष

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की तर्ज पर मप्र व्यापार कल्याण बोर्ड का गठन होगा। इसके अध्यक्ष सीएम डॉ. मोहन यादव होंगे। इसमें 8 विभागों के अलावा अशासकीय सदस्य भी बोर्ड में शामिल होंगे। साथ ही जिला स्तर पर बोर्ड का गठन कर सदस्यों को शामिल किया जाएगा। इसमें राजनीतिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी रहेंगे।

कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्री चेतन कश्यप ने बताया कि बैठक में दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन के लिए 2442 करोड़ रुपए के प्रावधान को मंजूरी दी गई है। इसी तरह अलग अलग विभागों के लिए 38555 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को भी मंजूरी दी गई है। भोपाल के समीप इलेक्ट्रॉनिक कलस्टर बनाया जा रहा है। बंगाल में जीत पर जनता का धन्यवाद दिया - सीएम ने भाजपा को बंगाल असम पुडुचेरी में ऐतिहासिक सफलता मिलने पर पीएम मोदी का विशेष धन्यवाद जताया। वहीं मंत्रिमंडल ने झालमुड़ी खाकर खुशियां मनाई।

सीएम ने बताया कि अभी तक 41लाख मीट्रिक टन गेंहू उपार्जित किया जा चुका है, इसका 6520 करोड़ का भुगतान भी किया जा चुका है। 14 लाख 70 हजार किसानों की बुकिंग हुई है।

इंदौर में 9 से 13 जून तक कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें 26 देश के प्रतिनिधि शामिल होंगे। ग्रामीण सड़कों एवं अन्य जिला मार्गों के निर्माण और उन्नयन संबंधी कार्य शुरू रखने को भी मंजूरी दी गई।

सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्य संबंधित योजना को भी 16 वें वित्त आयोग के लिए चालू रखने का फैसला लिया गया। 16वें वित्त आयोग की अवधि (2026-2031) के लिए सड़क निर्माण, ग्रामीण मार्गों के उन्नयन और शासकीय आवासों के रखरखाव के लिए सर्वाधिक 32 हजार 405 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क की स्थापना और सूचना प्रौद्योगिकी निवेश प्रोत्साहन को जारी रखने का फैसला हुआ।

नीमच से उठी आवाज : मनासा स्विमिंग पूल को मिले राज्य-राष्ट्रीय मेजबानी का प्रस्ताव, कान्हा में हुई प्रदेश स्तरीय बैठक, तैराकी को नई दिशा देने पर मंथन

नीमच। मध्यप्रदेश तैराकी संघ की महत्वपूर्ण बैठक मंडला जिले के कान्हा नेशनल पार्क में आयोजित हुई, जिसमें प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में नीमच जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष अशोक मोदी ने मनासा में निर्माणाधीन स्विमिंग पूल को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी दिलाने का प्रस्ताव प्रमुखता से रखा। 27 अप्रैल को आयोजित इस बैठक में तैराकी खेल की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक संघ के अध्यक्ष पियुष शर्मा एवं सचिव जय वर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुई। अशोक मोदी ने अपने संबोधन में मनासा के स्विमिंग पूल को उज्जैन संभाग का सबसे बड़ा पूल बताते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 25×50 मीटर का यह पूल राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के मानकों पर भी खरा उतरता है। उन्होंने कहा कि यदि इस सुविधा का बेहतर उपयोग किया जाए तो नीमच जिला बड़े खेल आयोजनों का प्रमुख केंद्र बन सकता है। प्रस्ताव को अन्य प्रतिनिधियों ने भी सकारात्मक रूप से समर्थन दिया।

30 मई से रीवा में राज्य चैम्पियनशिप – बैठक के बाद संघ ने 54वीं राज्य तैराकी चैम्पियनशिप की तिथि घोषित कर दी। यह प्रतियोगिता 30 मई से 3 जून 2026 तक रीवा के मिहिर सेन तरणताल, सिविल लाइंस में आयोजित होगी। इसके साथ ही खिलाड़ियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

वेब पोर्टल पर मिलेगी पूरी जानकारी – पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए संघ ने निर्णय लिया है कि प्रतियोगिता से जुड़े सभी नियम, दिशा-निर्देश और पॉलिसी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे खिलाड़ियों और कोच को एक ही स्थान पर संपूर्ण जानकारी मिल सके।

चयन में टाइमिंग को प्राथमिकता – खिलाड़ियों के चयन को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। अब दूसरे स्थान पर आने वाले खिलाड़ी का चयन उनके क्वालीफाइंग टाइम के आधार पर होगा, ताकि बेहतर प्रदर्शन करने वालों को प्राथमिकता मिल सके।

मनासा को मिलेगा खेल मानचित्र पर स्थान – नीमच जिला तैराकी संघ अध्यक्ष अशोक मोदी द्वारा मनासा में निर्माणाधीन स्विमिंग पूल को राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विकसित करने की मांग रखी गई है। मनासा में बन रहा आधुनिक स्विमिंग पूल भविष्य में बड़े आयोजनों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। इससे न केवल जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि नीमच का नाम प्रदेश और देश के खेल मानचित्र पर उभरेगा ।

प्रशिक्षण शिविरों पर जोर – संघ ने तैराकी को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए जिला स्तर पर विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसमें कोच और लाइफगार्ड को प्रशिक्षित किया जाएगा।

एफीलेशन फीस में वृद्धि – संघ ने जिला इकाइयों की वार्षिक एफीलेशन फीस 5000 रुपए से बढ़ाकर 10000 रुपए कर दी है, ताकि खेल गतिविधियों और योजनाओं को और मजबूती मिल सके।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

तनवीर जाफ़री

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

अमेरिका व इस्त्राईल द्वारा गत 28 फरवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फरवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनकाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके खून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौका था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज से बेनकाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अरागची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का खून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ तौर पर इसे गैर जिम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक गलती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी जोरदार मांग हुई।

बहरहाल, इस्त्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक युद्ध के दौरान अबूगरेब जेल में कैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफगानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज पर इस्त्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व गजा के इलाकों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्त्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस कद्र गूंज रही हैं कि मानवीय ह्रदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफा देकर अपनी इज्जत बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना गलत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक मिनाब 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनकाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।

संपादकीय

ट्रंप का 'तूफान' क्या है?

राष्ट्रपति ट्रंप अब भी युद्धोन्मादी हैं। ईरान को ह्यकब्रिस्तान-साह्ल बनाने के बावजूद उनका दिल नहीं पसीजा है। उन्होंने अब भी किसी ह्यतूफानह्ल के आने की धमकी दी है और दावा किया है कि उस तूफान को कोई रोक नहीं सकेगा। क्या ट्रंप अब ईरान पर परमाणु हमला भी कर सकते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने ईरान में परमाणु स्थितियों पर चिंता जताई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है। पेंटागन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप से पूछ रही है कि जब 2025 के हमले में ईरान के परमाणु एवं यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तबाह कर दिया गया था, तो फिर यह युद्ध क्यों किया गया? राष्ट्रपति उसी परमाणु कार्यक्रम की नए सिरे से बात क्यों कर रहे हैं? क्या ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम आज भी जारी है? अब सैनिक और युद्धपोत मध्य-पूर्व के क्षेत्रों में क्यों मौजूद हैं?

क्या अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप को बाध्य कर सकती है कि वह सैनिकों की वापसी का आदेश दें? युद्ध पर 25 अरब डॉलर नासा के खर्च के बराबर है, जिसे ट्रंप की सामंतवादी सोच ने यूं ही फूक दिया। कैबिनेट में उपराष्ट्रपति वेंस शुरू से ही युद्ध-विरोधी थे, लेकिन अब उनका युद्ध मंत्री हेगसेथ के साथ विवाद बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति का गंभीर आरोप है कि युद्ध मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को गलत ब्रीफ कर रहे हैं, लिहाजा ईरान से अभी तक अमरीका जीत नहीं पाया है। उपराष्ट्रपति का आग्रह है कि अब युद्ध को स्थायी विराम दिया जाना चाहिए। इस तरह युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप कैबिनेट विभाजित है और राष्ट्रपति 'तूफान' की धमकियां दे रहे हैं! पेंटागन भी राष्ट्रपति को गलत सूचनाएं दे रहा है। हकीकत यह है कि अमरीकी मिसाइलों, ड्रोन, थाड, पैट्रियट आदि वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों के भंडार काफी कम हो चुके हैं। रणनीतिक तौर पर यह अमरीका के लिए खतरनाक स्थिति है। हथियारों के पर्याप्त भंडारण के लिए अपेक्षित उत्पादन में 3-5 साल का वक्त भी लग सकता है।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं।

इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

झाड़-फूंक के चक्कर में इलाज में हुई देरी जहरीले जीव के काटने से मासूम की मौत

नीमच । जिले के अरनिया चंदेल गांव में सोमवार सुबह एक 5 वर्षीय बालक की जहरीले जीव के काटने से मौत हो गई। प्रवीण पिता दुर्गालाल नायक निवासी पिपलिया मंडी (मंदसौर) पिछले कुछ दिनों से अपने ननिहाल में रह रहा था। अस्पताल ले जाने में हुई देरी और प्राथमिक स्तर पर अंधविश्वास का सहारा लेना बच्चे की मौत का कारण बना।

घर के बाहर खेलते समय हुआ हादसा – सोमवार सुबह करीब 8 बजे प्रवीण घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था, तभी किसी अज्ञात जहरीले जीव ने उसे काट लिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक के लिए एक धार्मिक स्थल (देवरे) पर ले गए। वहां काफी समय बीत जाने के कारण बच्चे के पूरे शरीर में जहर फैल गया।

जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया – जब बच्चे की हालत गंभीर हो गई, तब परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, समय पर उपचार न मिलने और देरी से अस्पताल पहुंचने के कारण मासूम की जान नहीं बचाई जा सकी।

बिना पोस्टमार्टम कराए शव ले गए परिजन – बच्चे की मौत के बाद अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। हालांकि, परिजनों ने कानूनी कार्रवाई और पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। वे सोमवार दोपहर को बिना पोस्टमार्टम कराए ही बालक के शव को अपने पैतृक गांव पिपलिया मंडी लेकर रवाना हो गए। मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जनसुनवाई में सुनी 95 आवेदकों की समस्याएं

दिव्यांग पंकज को स्वरोजगार हेतु दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी कर योजना का लाभ दिलाने के निर्देश

नीमच । कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जनसुनवाई में 95 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

प्रमुख प्रकरण एवं निर्देशः जमीन का कब्जाःचौथखेड़ा के धर्मसिंह ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि एसडीएम के आदेश के बावजूद अबतक जमीन का कब्जा नहीं मिला है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार नीमच नगर को निर्देश दिए कि आज ही टीम भेजकर एसडीएम के आदेश का पालन सुनिश्चित करें और धर्मसिंह को मौके पर जमीन का तत्काल कब्जा दिलवाएं।

दिव्यांग को स्वरोजगारःग्राम डांगडी के दिव्यांग पंकज चौहान ने स्वरोजगार के लिए सहायता का अनुरोध किया। कलेक्टर ने उपसंचालक सामाजिक न्याय नीमच को निर्देश दिए कि दिव्यांग पंकज को दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान कर स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।

उपस्थित अधिकारीः इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

अन्य आवेदनः जनसुनवाई में बोरखेड़ी तालाब की लक्ष्मण, दारू के मुकेश गायरी, नयागांव के गोरधनसिंह, रतनलाल, बिहार गंज वार्ड 15 नीमच की उर्मिला जोहरी, फोफलिया की संगीता सालवी, जूना भदाना के मांगू बंजारा, नीमच के देवेन्द्र सिंह, इंदिरा नगर नीमच के फारूक, मांगरोल के रामनिवास,बिसलवास खुर्द के सूरजमल, कानाखेड़ा के घनश्याम, इंदिरा नगर की निर्मला मकवाना ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

इसी तरह नेवड के केशुराम, टीचर कॉलोनी नीमच के सुनील वर्मा, सेमली चंद्रावत के गणपतसिंह, जितेन्द्रसिंह, चौथखेड़ा के बाबूलाल गुर्जर, बावड़ा के कैलाश विश्वकर्मा, भाटखेड़ा के कारूलाल, कंजार्डा के हीरालाल, हाड़ी पिपलिया की सरिता मालवीय, कुकडेश्वर के अमरसिंह, सरवानिया महाराज की हेमकुंवर, नीमच सिटी की लीला यादव, बामनवर्डी की रामकन्याबाई, उगरान के देवीलाल, मोरवन के अब्दुल गनी, जावी के जगदीश प्रजापति आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करने के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

जैन कॉलोनी में सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा रहवासियों ने कलेक्टर से की शिकायत, कार्रवाई की मांग

नीमच । शहर की जैन कॉलोनी में अवैध अतिक्रमण और दबंगई का एक गंभीर मामला सामने आया है। कॉलोनी के रहवासियों ने मंगलवार दोपहर कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

रहवासियों के साथ नैंसी पोरवाल ने प्रशासन को बताया कि कॉलोनी की सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर पड़ोस के कुछ लोग अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलोनी निर्माण के समय बच्चों के खेलने, त्योहार मनाने और वाहनों की पार्किंग के लिए छोड़े गए खाली प्लॉट पर अभिषेक नागौरी नामक व्यक्ति लगातार अतिक्रमण कर रहा है।

शिकायत के अनुसार, अतिक्रमण धीरे-धीरे किया गया है। पहले कुछ फीट जमीन घेरी गई, फिर लगभग 12 फीट के हिस्से में टाइल्स लगाकर और निर्माण कार्य कर उसे निजी संपत्ति के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। रहवासियों का यह भी आरोप है कि जब भी अतिक्रमण रोकने का प्रयास किया जाता है, तो आरोपी बदतमीजी करते हैं और खुलेआम धमकी देते हैं। इस दबंगई के कारण कॉलोनी के लोग पिछले दो साल से होली जैसे त्योहार भी सामूहिक रूप से नहीं मना पा रहे हैं।

वर्तमान में स्थिति यह है कि अतिक्रमणकारी रहवासियों के घरों के सामने वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है। बच्चों के लिए खेलने की सुरक्षित जगह भी नहीं बची है। जैन कॉलोनी के सभी रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध कब्जे को तुरंत हटाया जाए, सार्वजनिक भूमि को कब्जा मुक्त कराया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

ग्रामीण नलजल योजनाओं के संचालन-संधारण हेतु पम्प ऑपरेटरों का प्रशिक्षण संपन्न

नीमच । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नीमच श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में जनपद स्तर पर ग्रामीण नलजल योजनाओं के संचालन संधारण हेतु पम्प ऑपरेटरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का आयोजनःइसी क्रम में सोमवार को विकासखण्ड नीमच की ग्रामीण नलजल योजनाओं के पम्प ऑपरेटरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उपस्थित अधिकारी व प्रशिक्षकः प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नीमच एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री व हैण्डपम्प तकनीकीशियन उपस्थित थे।

प्रशिक्षण के प्रमुख बिंदुःविकासखण्ड नीमच की समस्त नलजल योजनाओं के सरपंच, सचिव एवं पम्प ऑपरेटरों को विभिन्न बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गयाः

संचालन-संधारणः नलजल योजनाओं के सुचारू संचालन व रख-रखाव संबंधी मार्गदर्शन दिया।

तकनीकी सुधारः योजना के अवयवों से संबंधित तकनीकी खराबी दुरुस्त कर गुणवत्तायुक्त पेयजल प्रदाय सुनिश्चित करने।

जल कर वसूलीः नियमित रूप से जल कर राशि की वसूली करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

प्रशिक्षण सामग्री वितरणः प्रशिक्षण सामग्री के रूप में भारत सरकार के जल जीवन मिशन के तहत योजनाओं के रख-रखाव संबंधी मार्गदर्शिका, मध्यप्रदेश राजपत्र (जलकर निर्धारण से संबंधित), निर्धारित जल कर राशि वसूली रसीद नमूना इत्यादि प्रदाय किए गए।

प्रशिक्षण में निर्देश दिए, कि सभी पम्प ऑपरेटर प्रशिक्षण का लाभ लेकर ग्रामों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें।

मंदसौर फूड पॉइजनिंगः हलवाई पर खराब सामग्री का आरोप

मुंडन समारोह में 79 लोग बीमार पड़े, थाने में शिकायत

मंदसौर । जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के तुरकिया गांव में हुए फूड प्वाइजनिंग मामले में अब नया मोड़ आ गया है। रविवार को मुंडन समारोह में 79 लोगों के बीमार पड़ने के बाद सोमवार देर रात बच्चे के पिता ने खाना बनाने वाले हलवाई के खिलाफ थाने में शिकायती आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

पिता ने हलवाई पर लगाया खराब सामग्री का आरोप – मुंडन संस्कार कराने वाले सुनील पिता सुंदरलाल कारपेंटर ने नारायणगढ़ थाने में दिए आवेदन में बताया कि उन्होंने चोथखेड़ी निवासी हलवाई दिनेश कुमार को भोजन बनाने का ठेका सामग्री सहित दिया था। आरोप है कि कार्यक्रम में उपयोग किया गया मावा और दही खराब हो सकता है, जिससे भोजन करने वाले लोगों की तबीयत बिगड़ी। सुनील के मुताबिक, पूछताछ के दौरान हलवाई ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और अब फोन भी नहीं उठा रहा है।

मुंडन समारोह में फैली थी फूड प्वाइजनिंग – बता दें कि रविवार को आयोजित मुंडन कार्यक्रम में शामिल लोगों ने दाल-बाफले, लड्डू और लस्सी का सेवन किया था। इसके बाद बड़ी संख्या में लोगों को उल्टी, दस्त और घबराहट की शिकायत होने लगी। शुरुआत में कुछ ही लोग प्रभावित थे, लेकिन रात तक संख्या बढ़कर 79 पहुंच गई, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। घटना में 8 से 10 लोगों की हालत ज्यादा खराब हो गई थी, जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। चार मरीजों को जिला अस्पताल मंदसौर रेफर किया गया, जबकि अन्य का इलाज गांव और आसपास के स्वास्थ्य केंद्रों में किया गया। जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है और अब सभी प्रभावित पूरी तरह स्वस्थ बताए जा रहे हैं ।

घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यादिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1.प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11. योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14.इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ठ धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहें कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

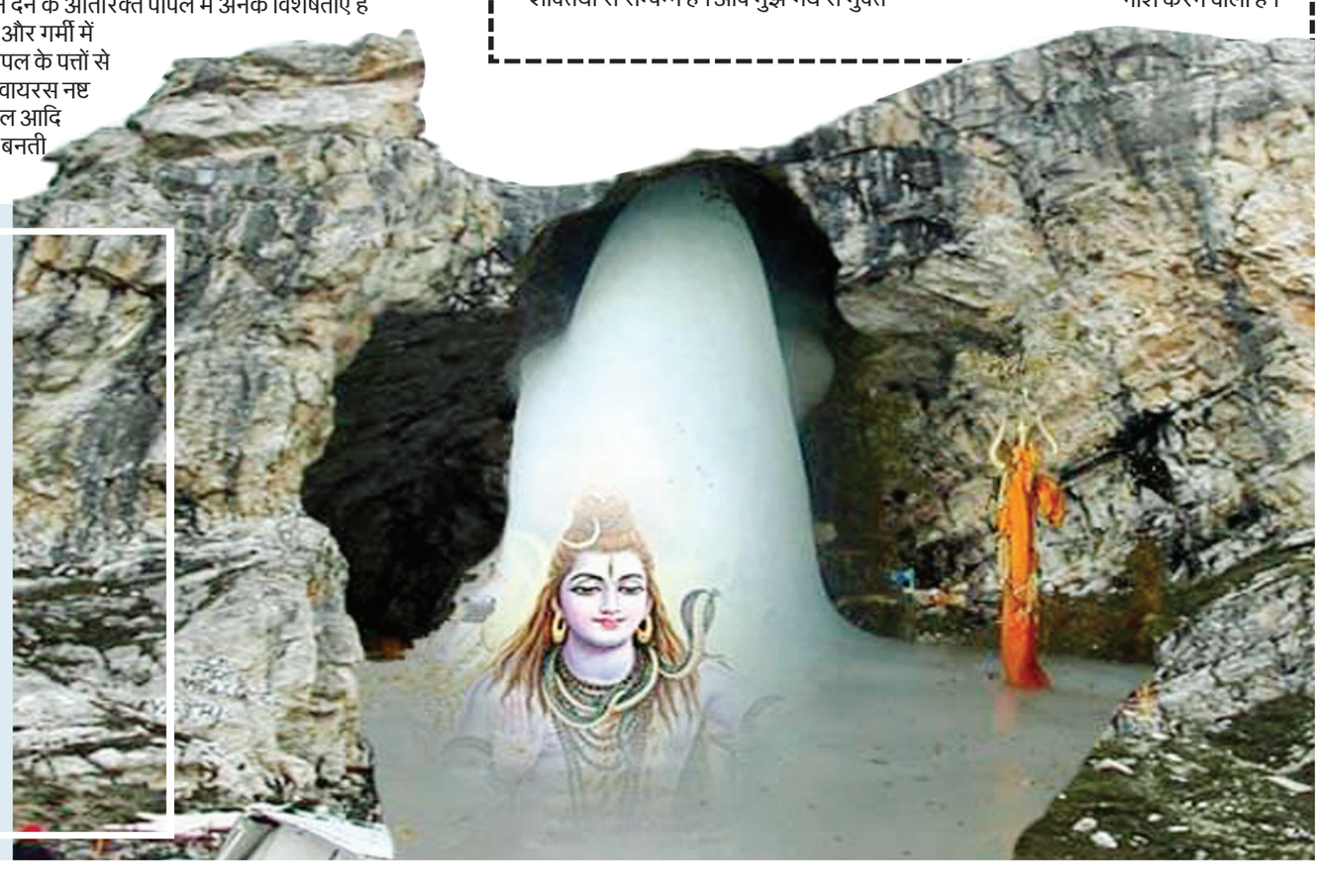

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है। इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली। मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।
हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

मैरिज गार्डन संचालकों को सख्त हिदायत लापरवाही पर होगी सीलिंगः एसडीएम साहू

सफाई-पार्किंग अनिवार्य, रात 10 बजे बाद डीजे प्रतिबंधित

नीमच। शहर में संचालित मैरिज गार्डन, मांगलिक भवन और सामुदायिक भवन संचालकों को प्रशासन ने सख्त हिदायत दी है। सोमवार को तहसील कार्यालय में एसडीएम संजीव साहू की अध्यक्षता में हुई बैठक में साफ-सफाई, पार्किंग और नियमों के पालन को लेकर निर्देश जारी किए गए। बैठक में विवाह आयोजनों के बाद फैलने वाली गंदगी, बदबू और यातायात बाधित होने की समस्या पर चर्चा हुई। एसडीएम ने संचालकों को परिसर में नियमित सफाई रखने और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान गंदगी मिलने या पार्किंग अव्यवस्था पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ जुर्माना लगाया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर मैरिज गार्डन को सील करने की कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण को लेकर भी सख्ती दिखाई है। रात 10 बजे के बाद डीजे और ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही सभी भवनों में अग्निशमन यंत्र रखना और नियमानुसार रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य किया गया है। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि सभी संचालकों को शासन के नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया सहित विभिन्न मैरिज गार्डन संचालक और स्वास्थ्य व राजस्व शाखा के कर्मचारी मौजूद रहे।

एसडीएम साहू ने कहा कि शहर की स्वच्छता और सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जावद में 'सांवरिया धाम' कॉलोनी को सशर्त अनुमति, 33 भूखंड बंधक

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मध्यप्रदेश नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम 2001 के तहत जावद में प्रस्तावित 'सांवरिया धाम' आवासीय कॉलोनी के विकास को सशर्त अनुमति दी है।

कॉलोनी का विकास कुल 1.479 हेक्टेयर भूमि में से 1.3102 हेक्टेयर क्षेत्र में किया जाएगा। इसमें विभिन्न सर्वे नंबरों की भूमि शामिल है।

कलेक्टर के आदेश अनुसार कॉलोनी के 33 भूखंड, जिनका कुल क्षेत्रफल 4040.56 वर्ग मीटर है, नगर परिषद जावद के पास बंधक रखे गए हैं। इनमें भूखंड क्रमांक 2, 3, 9 से 18, 21 से 28, 32 से 38, 41 से 45 और 48 शामिल हैं।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन बंधक भूखंडों का कलेक्टर की अनुमति के बिना विक्रय नहीं किया जा सकेगा। साथ ही कॉलोनी विकासकर्ता को सभी शर्तों एवं नियमानुसार प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। कलेक्टर चंद्रा ने चेतावनी दी है कि शर्तों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर रात्रि चौपाल के लिए रवाना किया अधिकारियों का दल

ग्राम टामोटी में लगेगी रात्रि चौपाल, मौके पर होगा समस्याओं का निराकरण

नीमच । ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित रात्रि चौपाल हेतु मंगलवार को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्ट्रेट परिसर नीमच से अधिकारियों के वाहन को हरी झंडी दिखाकर ग्राम टामोटी के लिए रवाना किया।

अधिकारियों का दल रवानाः कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा स्वयं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश एवं वन मंडल अधिकारी श्री एस.के. ऑटोदे के साथ इसी यात्री वाहन से जिलाधिकारियों के दल के साथ रात्रि चौपाल के लिए रवाना हुए। रात्रि चौपाल का उद्देश्यः ग्राम टामोटी में आयोजित रात्रि चौपाल में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे तथा मौके पर ही निराकरण की कार्रवाई करेंगे। साथ ही शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं, कि रात्रि चौपाल में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता रखी जाए।

अनसंग एवरीडे हीरोज अवॉर्ड से नीमच के कमलाशंकर विश्वकर्मा सम्मानित

नीमच/उज्जैन, 4 मई। समाजसेवा और कृषि नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले नीमच जिले के कमलाशंकर विश्वकर्मा को 'आर्ट ऑफ लिविंग अनसंग एवरीडे हीरोज अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह समारोह 3 मई को उज्जैन के माधव क्लब में आयोजित हुआ।

यह आयोजन आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव और आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के 45 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथियों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने विश्वकर्मा को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाता है, जो बिना प्रचार के समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करते हैं। इंदौर-उज्जैन संभाग से कुल 11 लोगों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। समारोह में प्रदेश भर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और संस्था के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। आर्ट ऑफ लिविंग के स्टेट हेड तेज वीर सिंह ने कहा कि ऐसे समर्पित व्यक्तियों का सम्मान समाज के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया।

तालाब में डूबने से मौत पर 4 लाख की सहायता स्वीकृत

नीमच (निप्र)। तालाब में डूबने से हुई मौत के मामले में प्रशासन ने पीड़ित परिवार को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मनासा श्रीमती किरण आंजना ने राजस्व पुस्तक परिपत्र भाग 6(4) के तहत यह सहायता मंजूर की। जानकारी के अनुसार ग्राम जमुनियारावजी निवासी गुलाबसिंह झाला की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस पर मृतक की पत्नी पप्पुकुंवर को नियमानुसार चार लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। तहसीलदार मनासा द्वारा प्रकरण तैयार कर एसडीएम कार्यालय को भेजा गया था, जिसके बाद स्वीकृति जारी की गई।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।